डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 19 | अंक 80 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 01 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

छह दिन से लापता किशोरी का शव मिला

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा में छह दिन से लापता किशोरी का शव कुएं में मिला है। मिली जानकारी के

अनुसार आज दलौदा अंबिका नगर इंदिरा आवास मोहल्ले में एक शव कुएं में तैरता हुआ नजर आया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव कुएं से बाहर निकाला। शव की शिनाख्त नंदिनी पिता विक्रम निवासी अंबिका नगर दलौदा के रूप में हुई।

लगभग 14 वर्षीय नंदिनी छह दिन से लापता थी। इसकी गुमशुदगी दलौदा थाने में दर्ज भी कराई गई थी। पुलिस और परिजन बालिका की तलाश कर रहे थे। इसी बीच मंगलवार को उसका शव कुएं से मिला। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

लो फिर होगा गरीबी में आटा गिला..!

सीमेंट कंपनियां दस रुपए प्रति बेग बढ़ाने की तैयारी में

तीन माह पहले ही दो बार बढ़ाए हैं दाम

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रेती, गिट्टी, सीमेंट, ईट, सरिया सहित तमाम वस्तुओं की कीमतें लगातार बढने से घर बनाना अब आसान नहीं है। मजदूरी की राशि भी ढाई साल में लगभग डबल हो गई है। स्थिति यह है कि जिस अनुमानित बजट में मकान बनना शुरू होता है, मकान बनते-बनते वह ओवर बजट हो जाता है। बात करें मकान में सबसे ज्यादा आवश्यक चीज सीमेंट है। इसके दाम तीन माह पहले पद्रह दिन के अंतराल में दो बार बढ़े। मतलब पद्रह दिन में तीस रुपए तक रेट बढ़े। अब तीन माह बाद फिर सीमेंट महंगी होने वाली है। कंपनियां भाव में 10 रुपए प्रति बोरी बढ़ोतरी की तैयारी में हैं। अगले एक दो दिन में बढ़ोतरी लागू हो जाएगी। इससे सीमेंट के भाव 355 से 375 रुपए प्रति बोरी हो जाएंगे। अभी भाव 345 से 365 रुपए प्रति बोरी हैं। इससे मकान बनाने वालों पर भार बढ़ेगा और उन्हें सीमेंट के ज्यादा दाम चुकाने पड़ेंगे। सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी की वजह कंपनियों की कॉस्ट लगातार बढना है। लागत महंगी पड़ने से दाम भी बढ़ाए जा रहे हैं। अगले दो दिन में सीमेंट महंगी हो जाएगी।

मकान के लिए 5550 ज्यादा देना होगे...

एक हजार स्क्वेयर फीट के मकान निर्माण में 550 बोरी सीमेंट लगती है। अभी सीमेंट के भाव अधिकतम 365 रुपए प्रति बोरी हैं तो भवन निर्माण करने वाले लोगों को सीमेंट पर ही 2 लाख 750 रुपए खर्च करना पड़ रहे हैं। दो दिन बाद सीमेंट महंगी हो जाएगी। इससे भाव 375 रुपए प्रति बोरी हो जाएंगे। मकान बनाने वालों को 2 लाख 6,250 रुपए खर्च करना होंगे। यानी 5550 रुपए ज्यादा चुकाना होंगे।

10 रुपए महंगी हो सकती है सीमेंट...

जानकारों के मुताबिक दो दिन में सभी सीमेंट कंपनियों ने सीमेंट भाव में 10 रुपए बढ़ोतरी के संकेत दिए हैं। इससे सभी कंपनियों की सीमेंट महंगी हो जाएगी। इससे मकान बना रहे लोगों पर भार बढ़ जाएगा और उन्हें ज्यादा दाम चुकाना होंगे। कंपनियों ने 10 रुपए प्रति बोरी दाम में बढ़ोतरी के संकेत डीलरों को दिए हैं। इसके पहले 10 रुपए प्रति बोरी बढ़ाए जा चुके हैं।

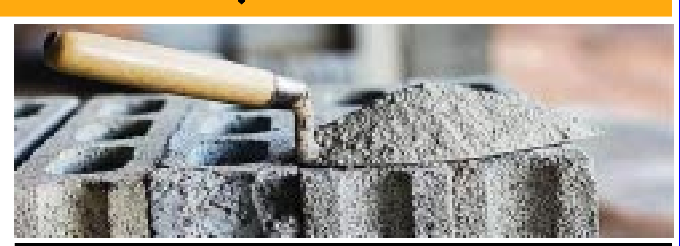

कीमतों में इजाफा...

सामग्री	दो साल पहले	अब
मुरम	250 रुपए वर्गमीटर	550 रुपए वर्गमीटर
सीमेंट	300 रुपए बोरी	365 रुपए बोरी
सरिया	5000 रुपए क्विंटल	5800 रुपए छिंटल
ईट	7 रुपए नग	9 रुपए नग
रेत	50 रुपए वर्गफीट	80 रुपए वर्गफीट
गिट्टी	6 हजार रुपए वर्गमीटर	7 हजार रुपए वर्गमीटर

फिनिशिंग नहीं है आसान...

घर का ढांचा तैयार करने के बाद टाइल्स, सेनेटरी व हार्डवेयर का काम भी होता है। इसकी कीमतों में भी 40 से 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। ठेकेदारों के मुताबिक पहले पांच हजार रुपए प्रति बाथरूम तैयार करने के लेते थे, जो अब 15 हजार रुपए हो गए हैं। टाइल्स फिटिंग का काम 50 रुपए प्रति वर्गफीट से बढ़कर 75 रुपए हो गया है।

कोरोना के बाद नहीं लौटे यूपी-बिहार के कारीगर...

मकान बनाने के बाद हर शख्स फर्नीचर तैयार कराता है। ठेकेदार यह काम प्रतिशत से करते हैं। सामग्री की कीमत से 35 फीसदी उनकी मजदूरी होती थी, लेकिन अब 40 फीसदी हो गई है। ठेकेदारों के मुताबिक, कोरोना से पहले बिहार व यूपी के कारीगर बड़ी संख्या में थे। वे लौटकर नहीं आए। उन्हें वहीं काम मिल गया। इससे कारीगरों की समस्या हो गई है। इसलिए स्थानीय कारीगर ज्यादा दाम मांग रहे हैं। प्लायवुड व लकड़ी से लेकर फर्नीचर में लगने वाली वस्तुओं की कीमतों में भी इजाफा हुआ है।

मंडी में अव्यवस्थाओं से परेशान किसान

खोला मोर्चा, मंडी का गेट बंद कर की नारेबाजी, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी में अव्यवस्थाओं से किसान परेशान है। मंडी प्रबंधन की लापरवाही और उदासीनता का परिणाम है कि न सिर्फ किसानो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बल्कि बारिश में कई बार किसानो को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। कई बार मंडी प्रबंधन को ज्ञापन, हंगामा और आंदोलन करने के बाद भी किसानों की परेशानी कम नहीं हुई। इस बार बीजेपी नेता योगेंद्र सिंह चुण्डावत उर्फ़ राजा बना के नेतृत्व में किसानों ने मंडी प्रबंधन और मंडी की अव्यवस्थाओं के खिलाफ मोर्चा खोला। किसानों ने मंडी का गेट बंद कर नारेबाजी की। इसके बाद एसडीएम शिवलाल शाक्य को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को मंदसौर की कृषि मंडी में बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हुए। यहां एसडीएम को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कहा गया कि पिछले शुक्रवार 27 दिसम्बर को अचानक हुई बारिश में किसानों का लाखों का लहसुन बह गया और कई किसानों का लहसुन और अन्य फसलें गीली हो गई। जिसमें प्रथम दृष्ट्या मंडी प्रशासन की लापरवाही और उदासीनता मुख्य कारण था। मंडी परिसर में लहसुन वाले डोम में टेक्नीकल त्रुटि के चलते और सफाई व्यवस्था सही ना होने से ड्रेनेज जाम होने के कारण बारिश से लगाकर अभी तक लगभग 6 से 7 बार इस डोम में किसानों की मेहनत की फसल बर्बाद हो चुकी है। कई बार मीडिया और किसानों द्वारा भी इसको लेकर समाधान की मांग की गई। परन्तु मंडी प्रशासन आज तक इसका कोई समाधान नहीं निकाल पाया।

इन समस्याओं का भी किया उल्लेख...

मंडी परिसर में अतिक्रमण के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गए। जिससे किसानों की मेहनत पानी में बह गई। जिसका मुआवजा दिए जाने की मांग की गई। अवैध रूप से भराई का रुपया लिए जाने की शिकायत भी की गई। साथ ही मंडी परिसर में सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। मंडी परिसर में शौचालय विशेषकर महिला शौचालय की कोई उचित व्यवस्था नहीं है।

किसानों ने कहा कुछ लोगों ने मंडी परिसर में स्थित प्याऊ और फसल डालने के फील्ड पर शेड बनाकर स्थाई अतिक्रमण कर लिया है। डोम की सीढ़ियों के लिये बने ब्लॉक में भी अतिक्रमण कर रखा है। मंडी प्रशासन ने अवैध रूप से वसूली कर बाहरी व्यापारियों को स्टॉक के लिये दे रखे है जिसमें वो अवैध रूप से खरीदा गया माल फैलाकर रख देते है। जिससे किसान को फसल खाली करने के लिये जगह नहीं मिल पाती।

सोयाबीन और गेहूं की फील्ड में कैमरे नहीं है। इसलिये यहां पर लगातार चोरी की शिकायते आती रहती है और कैमरों के अभाव में उक्त चोरियां ट्रेस नहीं हो पाती है। मंडी में चौकीदार और सिक्युरिटी में लगभग 90 कर्मचारी है। लेकिन, फील्ड पर 20 से 25 गार्ड ही उपलब्ध है। बाकी सिर्फ हाजरी में दिखाए जाते है।

मंडी फील्ड में सांची दुग्ध पॉर्लर के नाम पर अवैध होटले संचालित की जा रही है। जबकि, नियम के अंतर्गत यहां साँची के प्रोडक्ट के अलावा कोई उत्पाद विक्रय प्रतिबंधित है। मंडी प्रशासन ने इन्हे अवैध रूप से नल कनेक्शन भी दे दिये है। मंडी परिसर में 2 सर्वसुविधा युक्त कैंटीन होने के... **शेष पेज 4 पर**

यह मांग की ज्ञापन में...

1. मंडी प्रशासन की गलती से हुए किसानों के नुकसान की भरपाई मंडी प्रशासन करें। 2. अवैध रूप से वसूली कर, भराई कर रही बाईयों को हटाया जावें। हम्मालों को लायसेंस के आधार पर ही इंट्री और भराई की परमिशन मिलें। 3. किसान और व्यापारियों को साफ स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हो। 4. मंडी परिसर में महिला एवं पुरूष शौचालय की उचित व्यवस्था की जावें। 5. मंडी परिसर में प्याऊ और फसल खाली करने के फील्ड की सीढ़ियों में किये गये अतिक्रमण तुरंत प्रभाव से हटाए जावें। 6. सोयाबीन और गेहू की फील्ड में कैमरे लगवायें जाए और मंडी में लगे कैमरों को जो बंद या खराब पड़े है, उन्हे सही करवाया जायें। 7. मंडी परिसर में गॉर्ड, तुलावटी की पूरी संख्या में उपस्थिति सुनिश्चित की जावें। 8. मंडी में फील्ड इंस्पेक्टर के पद भरें जावें। 9. साँची की जगह चल रही अवैध घुमटियों और फील्ड से अवैध ठेलों को हटवाया जावें। 10. केन्टीनों को सुचारू रूप से चलाया जावें और बकाया राशि सख्ती से वसूली की जावें। 11. सेवाओं के लिये निकाली निविदाओं में पारदर्शिता रखी जावें। 12. मंडी में तुलावटी और हम्मालों की भर्ती की जावें। 13. किसानों से हम्माली और तुलावट का पूरा मूल्य लिया जाता है फिर भी किसानों को बोरी पकडना पड़ती है और उनका माल जिन ठेलों पर रखा।

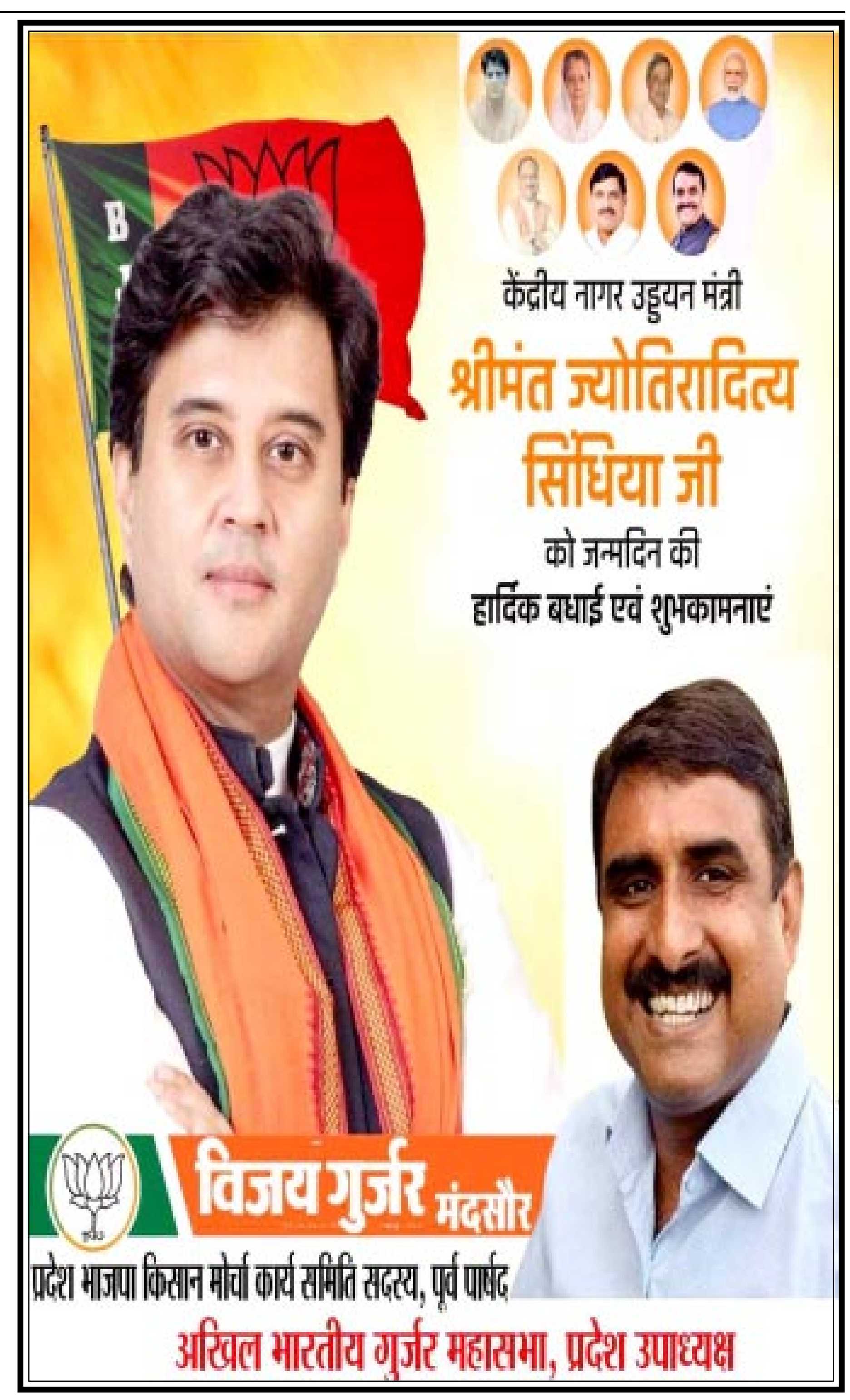

विचार-मंथन

चुनावी वादों के बीच फंसा वोटर

जैसे ही देश का दिल माने जाने वाले दिल्ली में विधानसभा चुनावों का माहौल बनता है तो सभी की नजर इस चुनाव पर लग जाती है। क्योंकि जब बात केंद्र और दिल्ली की सरकार पर काबिज होने की हो तो यह लड़ाई और भी रोचक बन जाती है। ऐसा नहीं कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव अन्य राज्यों से अलग है। परंतु यह चुनाव अन्य राज्यों के जैसा होते हुए भी हमेशा से ही अलग ही रहता है। परंतु इस बार के चुनावों की घोषणा से पहले राजनीतिक दलों में जो खींच-तान बनी हुई है वह काफी रोचक है क्योंकि लुभावने चुनावी वादों के बीच मतदाता अपने आप को फंसा हुआ पा रहा है। दिल्ली के दंगल में सभी राजनीतिक दल अभी से उतर चुके हैं, बस देर है तो चुनावों की तारीखों के ऐलान की। परंतु तारीखों के ऐलान से पहले ही सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। दिल्ली की मौजूदा सरकार के नेताओं ने दिल्ली की महिलाओं को लुभाने के लिए हर महिला को प्रति माह 2100 रुपए देने का वादा किया है। इसके साथ ही 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके दिल्ली के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देने की घोषणा भी कर दी गई है। गौरतलब है कि दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए यह वे चुनावी वादे हैं जो वे सत्ता में आने के बाद ही पूरे करेंगे। परंतु न जाने क्यों मौजूदा दिल्ली सरकार के ही 2 विभागों ने इन घोषणाओं की हवा निकाल दी है। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञापन जारी किया जिसमें यह बात स्पष्ट कर दी कि इन 2 घोषणाओं से संबंधित ऐसी कोई भी योजना वर्तमान में मौजूद नहीं है। इस विज्ञापन के जारी होते ही दिल्ली की जनता में संदेह पैदा हो गया। परंतु जैसे ही इस विज्ञापन के चर्चे होने लगे तो दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक बयान जारी कर इस बात को स्पष्ट कर दिया कि इस विज्ञापन की पूरी जांच की जाएगी और ऐसा विज्ञापन जिस भी अधिकारी ने जारी किया है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि विज्ञापन में ऐसा क्या गलत लिखा गया, जिससे कि आम आदमी पार्टी इतना उत्तेजित हुई? वादा तो चुनावी है जो कि वर्तमान में लागू नहीं है। तो इस विज्ञापन को लेकर इतना बवाल क्यों? क्या वास्तव में ऐसे विज्ञापन को इसलिए जारी किया गया कि जनता के मन में भ्रम पैदा किया जा सके? इसी बीच, जब आम आदमी पार्टी द्वारा ऐसी घोषणाएं की जा रही थीं, तो दिल्ली में भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के घर के बाहर महिलाओं की कतार दिखाई दी गई जिसमें वे दिल्ली की 'जरूरतमंद' महिलाओं को 'मदद' बांट रहे थे। उल्लेखनीय है कि जो-जो महिलाएं प्रवेश वर्मा के घर से निकल रही थीं उन्होंने बताया कि बांटे गए लिफाफे में रुपए थे और उन सभी महिलाओं को भाजपा को वोट देने के लिए कहा गया। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा तो प्रवेश वर्मा और भाजपा के कई नेताओं ने अपनी सफाई में यह कहा कि प्रवेश वर्मा जरूरतमंदों की मदद अपनी एक एन.जी.ओ. की ओर से कई सालों से कर रहे हैं और यह उसी धर्मार्थ कार्य का हिस्सा है। यदि भाजपा के इस धर्मार्थ कार्य को सच मान लिया जाए तो इसमें कोई बुराई नहीं है कि कोई संस्था जरूरतमंदों की मदद करे। परंतु यदि कोई संस्था जिसका मुखिया किसी राजनीतिक दल का हिस्सा हो और ऐन चुनावों की घोषणा से पहले ही ऐसी 'मदद' करे, जिसमें उसकी पार्टी व उसके वरिष्ठ नेताओं से संबंधित प्रचार सामग्री भी हो और बदले में अपनी पार्टी के लिए वोट मांगे तो क्या वह 'धर्मार्थ' कार्य की श्रेणी में आएगा? क्या ऐसा 'धर्मार्थ' कार्य वह संस्था पूरे साल करती है? क्या इस संस्था ने अपने प्रबंधक सदस्यों की बैठक में ऐसे किसी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी जिसके तहत किसी एक राजनीतिक दल के समर्थन में वोट जुटाए जाएं? दिल्ली में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हो रहे ऐसे वार पर गौर किया जाए तो इसकी पृष्ठभूमि में वह महत्वपूर्ण पहलू है जिसके तहत दिल्ली की अफसरशाही दिल्ली के उप-राज्यपाल के अधीन है न कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री के। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की अफसरशाही पर हक को लेकर एक लंबी कानूनी लड़ाई भी लड़ी गई थी जिसका फैसला देश की सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार के हक में ही दिया था। परंतु चूंकि मौजूदा माहौल में केंद्र और दिल्ली की सरकार को अलग-अलग राजनीतिक दल चला रहे हैं।

क्या छत्तीसगढ़ में नेचुरल फार्मिंग और औषधि क्रांति की संभावनाएं हैं?

इंद्र शेखर सिंह

इंडस्ट्रियल एग्रीकल्चर (औद्योगिक कृषि) हमारी मिट्टी, पानी को नष्ट कर रही है और हमारे भोजन में केमिकल डाल रही है। यह कोई रहस्य नहीं है फिर भी, बढ़ती भूख और कुपोषण कॉरपोरेट लॉबिस्ट के लिए कृषि-रसायनों को बढ़ावा देने का पसंदीदा बहाना है। यह हमारे भोजन और चिकित्सा समस्याओं के लिए पारंपरिक कृषि ज्ञान और प्रकृति आधारित समाधानों को बेहद आसानी से खत्म करता जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि, इसका समाधान कहां पर मौजूद है? देश का ऐसा कौन सा इलाका है जो इन समस्याओं से हमें काफी हद तक निजात दिला सकता है। इंद्र शेखर सिंह ने इन समस्याओं का हल खोजने के लिए बलरामपुर से बस्तर और दूसरे चरण में राजनांदगांव से जशपुर तक छत्तीसगढ़ की यात्रा शुरू की, जिसमें सरगुजा, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, जगदलपुर आदि जैसे कई गांव और जिले शामिल थे। यह सब राज्य भर में कृषि प्रथाओं की अच्छी समझ हासिल करने के लिए किया गया था। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में प्राकृतिक खाद्य और फार्मास्युटिकल सिस्टम को बढ़ावा देने की क्षमता है। देश के अन्य हिस्सों की तुलना में, किसानों के पास पारंपरिक कृषि में निहित अनूठी खेती की प्रथाएं थीं। उदाहरण के लिए धान के खेतों की सीमाओं पर अरहर की दाल उगाना, जिससे फलियां बढ़ती है और मिट्टी भी उपजाऊ होती है। खेतों की सीमाओं पर पेड़ लगाना, जो देश के अधिकांश भागों में नहीं है। इंद्र शेखर सिंह ने कहा कि, धान, जो कई क्षेत्रों का मुख्य खाद्यान्न है, खेतों में स्थानीय किस्म की सब्जियां भी उगाई जा सकती हैं। कुदुम (थेपा उर्फ लखाड़ा) खट्टे गुलाबी पंखुड़ियों वाला लंबा पतला पौधा है, जो कैल्शियम और एंटी ऑक्सीडेंट का एक बेहतरीन स्रोत है। राज्य में साग की एक विशाल किस्म भी है, जो मौसमी रूप से उगती है और बहुत पौष्टिक होती है। उन्होंने बताया कि, छत्तीसगढ़ में कई तरह के खाद्य मशरूम भी उगते थे, जिनका उपयोग नहीं किया गया है। क्षेत्र का आदिवासी ज्ञान भी ज्यादातर अज्ञात है। इन समुदायों के बुजुर्गों के पास जंगल के पेड़ों और पौधों के बारे में बहुत ज्ञान था, जो चिकित्सा में क्रांति ला सकता था और लाखों भारतीयों को राहत पहुंचा सकता था। इंद्र शेखर ने बताया कि, कृषि की स्थिति को सुधारने और शायद कृषि में हरित छलांग लगाने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कई समस्याओं पर ध्यान केंद्रीत करते हुए कहा कि, पहला संकट, सार्वजनिक खरीद प्रणाली के माध्यम से धान की खरीद को बढ़ावा देना है। छत्तीसगढ़ सरकार ने धान और गेहूं की खरीद के लिए आक्रामक तरीके से जोर दिया है। राज्य के सुदूर इलाकों में भी खरीद केंद्र और धान से भरे बोरों को देखा जा सकता है। इससे किसानों को लगातार नकद आय भी मिलती है, लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान यह है कि कई इलाकों में किसान अपनी पारंपरिक फसलों जैसे बाजरा- कोदो, कुटकी और देशी धान को छोड़कर औद्योगिक किस्मों के धान और गेहूं की खेती कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कुछ इलाकों में कृषि जैव विविधता नष्ट हो रही है। ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़ में कई तरह की फसलें और सब्जियां उगाई जाती हैं, जिन्हें हमारी राष्ट्रीय विरासत के तौर पर संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, अब चिकित्सा की दुनिया में कदम रखते हुए, विभिन्न आदिवासी समुदायों के बुजुर्ग और पारंपरिक चिकित्सक सदियों से पौधों और पेड़ों के बारे में अपने ज्ञान को संरक्षित करते रहे हैं, अभ्यास करते रहे हैं और अपने समुदायों के युवा सदस्यों को सिखाते रहे हैं। लेकिन यह परंपरा टूट रही है। इसका पहला कारण, जंगलों का खत्म होना और कटना है। दूसरा कारण यह कि युवा पीढ़ी आधुनिक औद्योगिक परिस्थितियों के कारण इस ज्ञान को आगे नहीं बढ़ा पा रही है। बदलती जलवायु और प्रकृति के नुकसान के कारण देसी औषधीय पौधे भी अच्छी तरह से विकसित नहीं हो रहे हैं। यहां फिर से हमें याद रखना होगा कि हमारे प्राचीन ज्ञान में भोजन ही हमारी औषधि थी, और देसी आहार और आवास के खत्म होने के साथ ही औषधीय पौधे और उनके उपयोग भी खत्म हो रहे हैं। सार्वजनिक खरीद और कृषि रसायनों के लिए सब्सिडी के माध्यम से औद्योगिक कृषि के लिए सरकार का जोर अधिक जंगलों को काटने और उन्हें खेतों में बदलने को प्रोत्साहित कर रहा है। कोई भाजपा या कांग्रेस को दोष नहीं दे सकता, छत्तीसगढ़ के राज्य तंत्र ने सालों से इस नीति को आगे बढ़ाया है। इंद्र शेखर ने बताया कि, कैसे इन समस्याओं से निपटा जा सका है। उन्होंने कहा कि, हमारे नीति निर्माताओं को केवल राज्य की विशाल क्षमता का दोहन करने के लिए इकोलॉजी की ओर मुड़ने की आवश्यकता है। पहला कदम प्रत्येक जिले में कम से कम दो ब्लॉकों को जैविक खेती वाले क्षेत्रों में बदलने की घोषणा करना है, जो तीन साल की अवधि के लिए संक्रमणकालीन वित्तीय प्रोत्साहन द्वारा समर्थित हैं और देशी फसलों जैसे बाजरा, धान आदि की गारंटीकृत खरीद के साथ हैं। इन्हें राज्य की खाद्य योजनाओं में खरीदा और इस्तेमाल किया जा सकता है या बाद में अन्य राज्यों या निजी बाजारों में भी बेचा जा सकता है। सरकारों को कृषि के साथ मत्स्य पालन (मछली पालन) या जहां संभव हो बकरी, मुर्गी या दूध के संचालन की शुरूआत जैसी एकीकृत कृषि प्रणाली भी शुरू करने की आवश्यकता है। क्योंकि पशु जिले में जैविक खेतों के लिए खाद प्रदान करेंगे। छत्तीसगढ़ में मांस की खपत अधिक है, इसलिए स्थानीय मुर्गीपालन जैसे चिकन या टर्की और बकरी फार्म के लिए खरीदार तैयार रहेंगे। राज्य में मत्स्य पालन की भी बड़ी संभावना है। क्लस्टरों को पशुओं, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन और जैविक किसानों के मिश्रण को बढ़ावा देना चाहिए ताकि औद्योगिक बाजारों पर सीमित निर्भरता के साथ नकद आय, मिट्टी और पानी सभी में सुधार हो सके। कृषि-रासायनिक सब्सिडी को इस दिशा में मोड़ दिया जाना चाहिए।

भारत रत्न मिले तो क्या राजनीति से संन्यास ले लेंगे नीतीश

राहिल नोरा चोपड़ा

अगले साल अक्तूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा के चुनाव होने है, ऐसे में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 25 दिसंबर को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। इससे पहले अक्तूबर 2024 में, जे.डी.(यू) ने पटना में कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया था, जिसमें सीएम नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न पुरस्कार की मांग की गई थी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सैक्युलर) जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान सहित सत्तारूढ़ गठबंधन पार्टी के नेताओं ने इस मांग का समर्थन किया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन अटकलों को खारिज किया है कि भाजपा बिहार में महाराष्ट्र जैसी रणनीति अपना सकती है। जबकि राज्य भाजपा नेतृत्व ने कहा है कि एन.डी.ए. आगामी राज्य विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। 25 दिसंबर को, वरिष्ठ जे.डी.(यू) नेताओं ने नई दिल्ली में इसी बात पर जोर दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर नीतीश कुमार की चुप्पी ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है कि विधानसभा चुनाव से पहले वह एक और राजनीतिक बदलाव कर सकते हैं। लेकिन अब बड़ा सवाल यह है कि अगर नीतीश कुमार को भारत रत्न मिल भी जाता है तो क्या वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे और अपनी पार्टी और सरकार भाजपा को सौंप देंगे? परन्तु यह संभावना कम ही लगती है। हालांकि, भाजपा नेताओं का मानना है कि नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के बाद उन्हें सक्रिय राजनीति से संन्यास लेना आसान हो सकता है, इससे उनके समर्थकों में सद्भावना बढ़ेगी और इसके अलावा इससे भाजपा के हाथों में राजनीतिक सत्ता भी जाएगी।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पटना राजभवन में स्थानांतरण : बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पटना राजभवन में स्थानांतरण काफी स्पष्ट है और यह किसी की नजर में नहीं आने वाला है। जे.डी.(यू) ने खान की उदार और प्रगतिशील अल्पसंख्यक चेहरे के रूप में साख का हवाला देते हुए इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं, आर.जे.डी. ने भी खान की नियुक्ति का स्वागत किया है, लेकिन केरल में उनके राज्यपाल के रूप में कार्यकाल का हवाला देते हुए संघीय ढांचे की कथित अवहेलना के उनके पिछले रिकॉर्ड पर संदेह और आशंका जताई है। हालांकि, खान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार के साथ कई मुद्दों पर उलझे हुए हैं, जबकि भाजपा-एन.डी.ए. नेतृत्व का मानना है कि बिहार के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति से राज्य में एन.डी.ए. को ही मदद मिलेगी। इस बीच नीतीश कुमार सरकार के लिए असली चुनौती यह है कि अगर वह मुस्लिम समुदाय तक नहीं पहुंचती है, तो वह न केवल एक महत्वपूर्ण मतदाता आधार खो देगी, बल्कि 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट भी राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन (विपक्षी गठबंधन) को चला जाएगा। 'आप' ने दिया विपक्षी एकता को बड़ा झटका = दिल्ली चुनाव से पहले विपक्षी एकता को बड़ा झटका देते हुए आम आदमी पार्टी ('आप') ने कहा कि अगर वह अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहने वाले वरिष्ठ नेता अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है और यह स्पष्ट नहीं करती है कि वह दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत कर रही है या नहीं, तो वे अन्य दलों से कांग्रेस को 'इंडिया' ब्लॉक से हटाने के लिए कहेंगे। 'आप' ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे संदीप दीक्षित और मनीष सिसोदिया के खिलाफ चुनाव लड़ रहे फरहाद सूरी सहित कांग्रेस के उम्मीदवारों को भाजपा द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। 'आप' का यह कदम ऐसे समय में आया है जब हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस ने नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी ने 'इंडिया' गठबंधन की कमान संभालने के लिए शरद पवार और लालू प्रसाद जैसे क्षत्रपों का समर्थन हासिल किया है। दूसरी ओर, सपा ने भी यू.पी. उप-चुनावों में अपनी ताकत दिखाई है और अब उसने दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने का फैसला किया है।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधु संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं ही इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था। बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष — [illegible] शुभांक- 2-4-6

वृषभ — [illegible] शुभांक- 2-4-5

मिथुन — [illegible]

कर्क — [illegible]

सिंह — [illegible] शुभांक- 3-5-7

कन्या — [illegible] शुभांक- 1-4-6

तुला — [illegible] 4-7-8

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible]

मकर — [illegible] शुभांक- 3-5-7

कुंभ — [illegible] 3-5-7

मीन — [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5464

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5463

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5464

1	2	3	4	■	5		6
7				■		■	
8		■	■	9		10	■
■	11	12	13	■	14		15
16	■	17				■	
18	19	■		■	20	21	
22		■	23		■		■
24				■	25	■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह दुनिया का सबसे युवा देश है इसकी पचास प्रतिशत आबादी 15 वर्ष से कम आयु की है (4)
5. आर.के.नारायण के उपन्यास पर आधारित फिल्म जिसमें देवआनंद व वहीदा रहमान मुख्य भूमिकाओं में थे (3)
7. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
8. मेल या मैत्री (2)
9. प्रभात काल, अरुण काल, उषाकाल, दिनमुख (3)
11. महाभारतकालीन आठ नागों में से एक जिसने श्रृंगी ऋषि के शाप के कारण इसने राजा परीक्षित को डंसा था (3)
14. राजीव, पंकज (3)
17. छत्रपति शिवाजी का शस्त्र (4)
18. धता, पुण्यकर्ता, सदाशय (2)
20. विनय संवाद, नगण्य व्यक्ति (3)
22. मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
23. मुस्लिम रीति से विवाह (निकाह) करवाने वाला (2)
24. चुनौती, आवाहन, हुंकार (4)
25. सद्दृश्य, शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर (1)

ऊपर से नीचे
1. अमरफल (3)
2. पैसावाई, नमाज पढ़ना (4)
3. फतह, विजय, जीत (2)
4. रमी का अपभ्रंश, घूमंतर करता (6)
6. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
10. सर्वोत्तम उत्तम पुरुष में बहुवचन एक जैसा (2)
12. अहत, नाखी, पापल (2)
13. साहित्य लेखक, अंबर जीवी (5)
15. हवालिष्ट, खुशबू, मजेदार (उर्दू) (3)
16. पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित इस देश की राजधानी डकार है (4)
19. पुष्प, जोड़ा (अंग्रेजी) (3)
21. मुद्रा जारी करने वाला यह प्रथम देश है (2)

वर्ग पहेली 5463 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■
[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■
[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	■	■	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]
■	■	[illegible]	[illegible]	■	■	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मां शिवना नदी पैदल यात्रा सम्पन्न

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रेसर विकास समिति टीम एवीएस मंदसौर के तत्वावधान में मां शिवना नदी के प्राकट्य स्थान ग्राम सेवना राजस्थान से भगवान पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर मध्य प्रदेश तक तीन दिवसीय शिवना नदी पैदल यात्रा हुई सम्पन्न। यात्रा में मुख्य यात्रियों में मनीष भावसार, सुरेश बेरागी, गोविंद शर्मा, सुधांशु भावसार, गोविंद मीणा, लक्ष्मण मीणा, पुष्कर सिंह परिहार, रमेश सोलंकी, अमलेश रावल, कैलाश मीणा, महेश भावसार, दिनेश शर्मा, महेश धाकड, कारूलाल पाटीदार , राजेश मेडतवाल , उमेश सिंह बेस, विनोद प्रजापत, राजेन्द्र बजारिया, आस्था भावसार, विनय दुबेला, विधायक विपिन जैन, बीजेपी जिला पदाधिकारी पवन बेरागी , मनीष शर्मा नीमच, मितेश भावसार, कपिल मावर, प्रमोद मालवीय, अशोक डबकरा , सुनीता भावसार ,अंकुश डबकरा, राकेश मालवीय, सुनील पोरवाल, महेश मीणा, राम लाल मीणा, शंकर मीणा, दिलीप लक्षकार, शुभम लक्षकार, कमलेश जैन, पुष्कर व्यास, नागेश्वर कुमावत, हरीश सेन, परसराम राठौर आदि थे।

उक्त जानकारी देते हुए टीम एवीएस संरक्षक मनीष भावसार ने बताया कि शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए जन जागरूकता के लिए पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा का तीसरा वर्ष था। यात्रा 28 दिसंबर शिवना नदी के प्राकट्य स्थान गांव सेवना जिला प्रतापगढ़ राजस्थान से प्रारंभ होकर गांव चिकली, भचुण्डला, शिवना पडाव, बरखेडी, सेमल खेडा होकर मोबारखेडी पहुंची जहां शिवना नदी का पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात गांव डोराना खेडा, कोटडी, होरी हनुमान जी होते हुए नांदवेल यात्रा पहुंचेगी नांदवेल में यात्रा का रात्रि विश्राम रहा। प्रारंभ में माँ शिवना नदी के प्राकट्य स्थान पर भगवान शिव का अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा किया गया फिर उपस्थित शिवना नदी के भक्तों द्वारा भगवान शिव की आरती की गई। उपस्थित आचार्य द्वारा भगवा ध्वज का पूजन किया गया। फिर कलश यात्रा के साथ शिवना नदी पैदल यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में गांव सेवना वासियों द्वारा उन की व्यवस्था की गई , यात्रा में आगे माँ शिवना नदी का प्रचार रथ चला उपस्थित बेटियों मातृशक्ति और पुरुष ग्रामवासी और शिवना भक्तों द्वारा पूरे रास्ते नृत्य कर माँ शिवना की जय जयकार के साथ यात्रा गांव भचुंडला पहुची प्रथम दिवस में यात्रा का स्वागत गांव चिकली में हुआ ग्रामवासियों द्वारा चाय पान करवाकर स्वागत किया फिर भचुण्डला में कई स्थानों पर चाय पान और स्वागत किया गया।

सेवना ग्राम वासियों ने चिकली तक और चिकली वासियों ने भचुंडला की सीमा तक यात्रा को छोड़ा। यात्रा का गांव बरखेडी में नाश्ता करवाकर यात्रा का स्वागत किया गया। पूरे रास्ते में अलग अलग गांव से भी यात्री उपस्थित होते गये। गांव सेवना से 50 से ज्यादा भक्त होरी हनुमान जी साथ चले होरी हनुमान जी के दर्शन कर यात्रा गांव नांदवेल पहुची जंहा ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया यात्रियों के लिए ग्राम वासियों द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। फिर रात्री में हनुमान चालीसा के साथ में शिवना नदी के जय जयकारों के साथ यात्रा का विश्राम हुआ। दिनांक 29 दिसंबर को यात्रा नांदवेल से यात्रा प्रातः 7:00 बजे प्रारंभ हुई नांदवेल से यात्रा प्रारंभ होकर भावगढ , बनी करजु, आकोदडा माताजी, नंदावता, करना खेडी पहुंची जहां पर रात्रि विश्राम हुवा। यात्रा जैसे ही भावगढ पहुची ग्रामवासियों ने ढोल से पूरे गांव में जुलूस निकाला और घर घर स्वागत किया गया फिर शिवना नदी घाट पर पहुचकर शिवना नदी की आरती की गई। फिर पंचायत द्वारा गंदे पानी को शिवना में रोकने और साफ पानी को शिवना में मिले इसके लिए डिवार्ड बनाया उसका निरीक्षण किया गया। यात्रा का पूरे रास्ते प्रत्येक गांव में स्वागत किया गया दोपहर में आकोदड़ा माताजी के दर्शन किये गए मंदिर समिति और गांव वासियों द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। यात्रा का विराम हनुमान चालीसा के साथ में गांव करनाखेडी में विराम किया गया जंहा गांव वासियों द्वारा भोजन कराया गया। दिनांक 30 दिसंबर को यात्रा करना खेडी से प्रातः 7:00 बजे धनघोर कोहरे में प्रारंभ होकर गांव जवासिया, डोराना , भालोट, अचेरा, मिर्जापुर , खिडकी माता होते हुए मंदसौर शहर की सीमा में प्रवेश करी। गांव डोराना शिशु मंदिर में स्वागत किया गया गांव भालोट में यात्रा का स्वागत भोजन कराया गया। गांव मिर्जापुर में विधायक विपिन जैन इगझ हिन्दू नेता विनय दुबेला जनपद सदस्य ने स्वागत किया और ग्रामवासियो द्वारा यात्रा संयोजक मनीष भावसार का साफा पहनाकर सभी यात्रियों का स्वागत किया गया। खिडकी माताजी से मन्दसौर से पधारे मातृशक्ति यात्रा में शामिल हुए यात्री रामघाट पहुची जंहा सांसद सुधीर जी गुप्ता और इगझ कई पदाधिकारियों के साथ यात्रा की अगवानी कर यात्रियों का स्वागतन किया गया और भावसार समाज द्वारा सभी यात्री को दुपट्टा पहनाकर और यात्रा संयोजक का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मंदसौर मंदसौर सीमा में प्रवेश करते हुए यात्रा रामघाट, सत्संग भवन, प्रतापगढ़ पुलिया सांखला भवन, कालाखेत, बस स्टैंड बालाजी, मंडी गेट होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर शिवना नदी घाट पर शिवना जी की पूजा अर्चन आरती कर यात्रा का समापन किया गया। यात्रा का मन्दसौर शहर के बस स्टैंड बजाजी गुरुजी द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया यात्रियों ने बालाजी दर्शन किये यात्रा शिवना नदी घाटी पहुची यात्रा के समापन में मेनपुरिया आश्रम के संत गुरुदेव मणि महेश चेतन्य जी ने उपस्थित होकर पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण पर आशीर्वचन देकर संबोधित किया। इस यात्रा का उद्देश्य गांव गांव में जन जागृति लाना और शासन प्रशासन को जगाना की शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त करने में अपनी अहम भूमिका सक्रियता से निभाये तीसरे वर्ष की यात्रा अभी तक कि सबसे सफल यात्रा रही।

जीवन में धैर्य रखे, धर्म का मार्ग नहीं छोड़े-पं.व्यास

नरसिंहपुरा में आयोजित श्री हनुमंत कथा में उमड़ रही है धर्मालुजनों की भीड़

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में 29 दिसम्बर से श्री हनुमंत कथा का आयोजन हो रहा है। प.पू. हनुमान भक्त पं. दिलीपजी व्यास प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 4 बजे तक व्यासपीठ पर विराजित होकर धर्मालुजनों को श्री हनुमंत कथा श्रवण करा रहे है। इस कथा में नरसिंहपुरा ही नहीं अपितु आसपास के क्षेत्रों के धर्मालुजन बडी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे है। श्री हनुमंत कथा श्रवण करने के लिये धर्मालुजनों की अपा संख्या प्रतिदिन कुमावत धर्मशाला नरसिंहपुरा पहुंचकर रही है। यहकथा 4 जनवरी तक यहां आयोजित होगी।

कथा के तृतीय दिवस मंगलवार को प.पू. श्री दिलीपजी व्यास ने भगवान श्री राम के जन्म की पूर्व की कथा श्रवण कराई। कथा में उन्होंने भगवान श्रीराम के वंशजों का सनातन धर्म एवं संस्कृति के पोषण में जो योगदान है उसे श्रवण कराया। आपने भगवान ऋषभदेव, भागीरथजी, राजा हरिशचंद व राजा दशरथ का जीवन परिचय श्रवण कराते हुए कहा कि भगवान श्री राम के जन्म के पहले राजा दशरथ ने संतान प्राप्ति की कामना को लेकर पुत्र कामेष्ठी यज्ञ किया था। पुत्र कामेष्ठी यज्ञ के फल स्वरूप राजा दशरथ के यहां राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न चार पुत्रों का जन्म हुआ। आपने कहा कि जीवन में हम जो दान पुण्य यज्ञ हवन व अन्य धार्मिक कार्य जो भी करते है उनका पुण्य फल मानव को अवश्य ही प्राप्त होता है। कभी कभी पुण्य का

फल मिलने में देरी हो सकती है लेकिन हमें धैर्य रखना चाहिये तथा धर्म का मार्ग नहीं छोडना चाहिये। प.पू. श्री दिलीपजी व्यास ने कहा कि रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाये पर वचन नहीं जाये। यह कहावत भले ही राम वनवास के बाद ज्यादा चर्चित हुई लेकिन यह पंक्ति भगवान राम के सभी वंशजों ने चरितार्थ करके बताई है। राजा हरिशचन्द्र ने सत्य की खातिर दास का जीवन स्वीकार किया लेकिन दिये हुए वचन का नहीं तोड़ा। उन्होनें वाराणसी के तट पर शवों को अंतिम संस्कार का काम करना स्वीकार किया लेकिन वचन नहीं तोड़ा। प.पू.. दिलीपजी व्यास ने गंगा अवतरण की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि भागीरथजी ने अपने पितृजनों की मोक्ष की कामना को लेकर पृथ्वी पर गंगा अवतरण की मंशा को लेकर कठोर तप किया। भागीरथजी के कठोर तप के कारण स्वर्ग से माता गंगा को पृथ्वी पर अवतरित होना पड़ा। भागीरथजी ने गंगा को पृथ्वी पर जाकर सनातन धर्म व संस्कृति के लिये जो अद्भुत योगदान दिया वह प्रेरणादायी है। भगवान शिव ने गंगा को अपनी जटाओं में झेलकर गंगा को पृथ्वी पर अवतरित कराया। इस कथा को सुनते ही माता गंगा के जयकारे गूंज उठे।

इन्होनें किया पौथी पूजन व आरती– कथा के द्वितीय दिवस सोमवार की शाम को पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह माच्छोपुरिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य तेजपालसिंह शक्तावत एडवोकेट, कांग्रेस नेता सुरेन्द्र कुमावत, समाजसेवी गौरव रत्नावत, सत्येन्द्रसिंह सोम एडवोकेट, हरिशंकर शर्मा, मनोज मण्डोवरा, मोहन छापोला, सत्यनारायण पालड़िया, भरत अजमेरा, बाबूलाल कुमावत, पार्षद सुनीता गुजरिया, पूर्व पार्षद भेरूलाल अन्यावड़ा ने पौथी की आरती की। कथा के तृतीय दिवस मंगलवार की दोपहर में भारत विकास परिषद, अ.भा. ग्राहक पंचायत, अ.भा.वि.प. के पदाधिकारियों ने पौथी का पूजन किया। आरती का धर्मलाभ नरेन्द्र त्रिवेदी, दिलीप सेठिया, अजय शर्मा, आशीष अग्रवाल, नवनीत शर्मा, उमरावसिंह जैन, भूपेन्द्र बैरागी, अंशुल जैन, दीपक मिश्रा ने लिया।

आज हनुमान जन्मोत्सव होगा– हनुमंत कथा के चतुर्थ दिवस बुधवार को दोपहर में भगवान हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाया जावेगा। सभी धर्मालुजनों से कथा में पहुंचने की अपील की गई है।

मालवा की बेटी चंचल पिपलोदिया अब अभिनय करेंगी मालवी फिल्म थारो म्हारो प्रेम में

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इंस्टाग्राम सेंसेशन और मालवा की बेटी के नाम से मशहूर चंचल पिपलोदिया अभिनय करती दिखेगी मालवी बोली की पहली रोमांटिक फ़िल्म थारो मारो प्रेम में निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौर ने बताया कि महज आठ माह में मालवी बोली के कंटेंट पर हास्य का पुट देकर मूलत: नीमच की रहने वाली और मंदसौर की बहू चंचल जी ने बहुत ही कम समय में अपने अभिनय कौशल से और मालवी बोली में हास्य का धमाका कर न सिर्फ एक बहू अपितु नीमच की बेटी के साथ साथ मालवी बोली को भी जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। हम जो यह फिल्म बना रहे हैं इसमें निश्चित रूप से बॉलीवुड में स्थापित मालवा के कलाकारों के साथ में स्थानीय अंचल की प्रतिभाओं को भी अवसर मिलने जा रहा है उसमें चंचल जी के सिलेक्शन से यहां की बहू और बेटियों को प्रेरणा मिलेगी। वे इस क्षेत्र में आगे आएंगे और नगर का नाम गौरवान्वित करेगी।

उनके ऑडिशन और सिलेक्शन के समय प्रोडक्शन टीम के कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, सूत्रधार, मार्केटिंग हेड पंकज पंवार, मनीष कनोदिया, दिलीप कुमार जोशी उपस्थित थे। राठौर ने यह भी कहा इंस्टाग्राम पर अल्प समय में प्रेरित करने का काम और समाज में महिला हो कर यूं प्रसिद्धि पाना कई चुनौतियों का सामना कर यह बहू आगे बढ़ी है इसे आशीष दें

और अन्य बहू बेटी के लिए यह प्रेरणा पुंज है। इस से अंचल में महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुअवसर मिलेगा। थारो मारो प्रेम फिल्म के निर्माण से मालवा क्षेत्र में फिल्म सिटी निर्माण में सहयोग मिलेगा और आने वाले समय में मालवा के कलाकारों को टेक्नीशियन को घर बैठे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। निर्देशक राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मालवी फिल्म के निर्माण के साथ-साथ जल्दी ही ओटीटी चैनल लाया जाएगा, इसका तकनीकी काम चालू हो चुका है फिल्म रिलीज के साथ-साथ इसको भी लॉन्च किया जाएगा,ताकि छोटे प्रोड्यूसर अपना कंटेंट, बना सके ,और अपने प्रतिभा का जौहर दिखा सके।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 59 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी राजस्व अधिकारी आम रास्तों पर अतिक्रमण कर, आम रास्ता अवरूद्ध करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करें और आम रास्तों को अतिक्रमण मुक्त करवाकर रास्तों को खुलवाए, जिससे कि आमजनों को कोई असुविधा ना हो। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई में ग्राम रैयत सकरानी के ग्रामीणों के आवेदन पर कार्यवाही करते हुए तहसीलदार नीमच ग्रामीण को दिए। जनसुनवाई में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम नीमच, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में कुल 59 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए जिनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम सकरानी रैयत के ग्रामीणों ने ग्राम मालिया जाने के आम रास्ते सर्वे नम्बएर 85 पर एक ग्रामीण द्वारा अवैध अतिक्रमण कर रास्ता अवरूद्ध करने पर कार्यवाही कर रास्ता खुलवाने का आगृह कलेक्टर से किया। इस पर तहसीलदार नीमच ग्रामीण को रास्ताध खुलवाने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में सिंघाडिया के कारूलाल, मनासा के रमेशचंद्र, सेदरिया के निर्भयसिह, सकरानी रैयत के बबलू कुमार, मोडी के मोडीराम, बरडिया जागीर के राधेश्याम, नीमच के शरद कुमार, रेवली देवली के माधुलाल, बंगला नं.42 नीमच के दर्शन शर्मा, सावन की कांतिबाई, डिकेन के राजेश कुमार, जवासा के भगतसिह चौहान, स्कीम नम्बर 7 नीमच के करण डुंगरवाल, इंदिरा नगर नीमच के राकेन्द्र वर्मा, गिरदौडा के मदनलाल आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

मंदसौर पीजी कॉलेज के बाहर एनएसयूआई ने एबीवीपी का पुतला दहन किया

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को मंदसौर में पीजी कॉलेज के बाहर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रितिक पटेल के नेतृत्व में प्रदर्शन कर एबीवीपी का पुतला दहन किया। राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस में फायर ब्रिगेड का इस्तेमाल कर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को गिला किया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रितिक पटेल ने बताया कि लगातार पीजी कॉलेज से खबर आती है एबीवीपी के पदाधिकारी बिना कॉलेज में काम किए कॉलेज से तनख्वाह ले रहे है इस तरह से कॉलेज में लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा है हमने पहले भी कई बार प्रदर्शन- आंदोलन किए लेकिन आज तक न तो कोई जांच हुई और न ही कॉलेज में भ्रष्टाचार बंद हुआ। आज प्रदर्शन के दौरान पुलिस के रवैया को देखते हुए लगता है कि पुलिस भी भ्रष्टाचार को दबाने में लगी हुई है इस कड़कती हुई ठंड में एनएसयूआई के साथियों के उपर वाटर कैनन का इस्तेमाल कर रही है जो निंदनीय है ।

प्रदर्शन के दौरान दुर्गाशंकर धाकड, आदर्शजोशी, सोनिया जैन,ज्योति सोनी, यश श्रीवास्तव, हरीश पाटीदार, हरिओम बैरागी, कृष्णपाल सिंह पंवार, रोहित मालवीय, अरबाज मंसूरी, हरपाल सिंह भाटी, दीपक लाड, पृथ्वीराज राठौर, पवन गहलोत, अकरम शाह, हर्ष ग्वाला अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुटुम्ब प्रबोधन अखिल भारतीय मालवा प्रांत बैठक ओंकारेश्वर में 4 व 5 जनवरी को

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक का आयोजन आगामी 4-5 जनवरी 2025 को ओंकारेश्वर में किया जा रहा है। कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की भौगोलिक रचना में 11 घट प्रमुख नियुक्त किए गए हैं। 46 प्रांत तथा 900 जिलों तक कार्यविस्तार के लिए कुटुम्ब मित्रों के माध्यम से खेलेंगे खेल तो परिवार में मेल (14 से 29 अगस्त मेजर ध्यानचंद जन्मदिवस) तथा भारत माता पूजन (12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जन्मदिवस से 26 जनवरी, भारत का गणतंत्र दिवस) कालावधि में विभिन्न उपक्रमों द्वारा कुटुम्ब मित्र अपने अड़ोस पड़ोस के परिवारजनों को तथा अपना घर जिनके सेवा सहयोग से चलता है, ऐसे बंधु भगिनियों को घर पर अथवा सार्वजनिक स्थानों पर आमंत्रित करते हैं। राष्ट्रीय दृष्टितथा सामाजिक संस्कार का जागरण कर परस्पर प्रेम - आदर - विश्वास के सम्बन्ध विकसित करने का प्रयास किया जाता है। कुटुम्ब प्रबोधन अखिल भारतीय बैठक ओंकारेश्वर में 4-5 जनवरी को उपरोक्त विषय पर संवाद तथा आगामी वर्ष में अधिकाधिक कुटुम्ब मित्रों के माध्यम से अधिकाधिक परिवारजनों तक पहुंचने हेतु विचार विनिमय करेंगे।

अंक ज्योतिष के अनुसार वर्ष 2025 में इन 6 राशियों की चमक सकती है किस्मत...

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंक ज्योतिष के अनुसार वर्ष 2025 मंगल को रिप्रेजेंट करता है यानी कि इस वर्ष के राजा भूमिपुत्र मंगल होंगे, मंगल ग्रह ग्रहो के सेनापति हैं, इसलिए इस साल वही लोग राज करेंगे जिनमें पराक्रम, साहस, मेहनत और नेतृत्व की क्षमता हो। लेकिन फिर भी कुछ राशियों पर वर्ष 2025 मेहरबान रहेगा, जिन्हें वह सब कुछ मिलने वाला है जो पिछले वर्ष में छूट गया है। वह राशियां है- मेष/ वृश्चिक /कर्क/ सिंह/ धनु और मीन

यह राशियां ऐसी होंगी जिन्हें इस साल सब कुछ तो नहीं पर बहुत कुछ मिल सकता है। जैसे कि इन राशि वाले लोगों के यदि भूमि भवन संबंधित काम अटक रहे हो तो वह निश्चय ही इस साल संपन्न होंगे। विवाह आदि मांगलिक कार्य उनके नेतृत्व में संपन्न होंगे। नया वाहन नया घर या नई जगह घूमने फिरने का सुख इनको मिलेगा, इनके व्यापार इत्यादि कार्यों में निश्चय ही वृद्धि होंगी, पिछले कुछ वर्षों में ईनका संबंध जिन लोगो से खराब चल रहा था उसमें वापस प्रेम और आपसी समझौता बनेगा। जो लोग स्थान परिवर्तन का मन बनाकर बैठे थे उनकी इच्छा भी इस साल पूरी होगी लंबे समय से यदि आपका पैसा कहीं पर अटका हुआ था तो वह धन इस साल वापस मिलने की प्रबल संभावना बनेगी, यानी की यह वर्ष इन राशियों के लिए 75%शुभ रहने वाला है। लेकिन कुछ सावधानी अभी आपको इस साल रखनी है जैसे क्रोध और आवेश में आकर कोई फैसला ना लेवे अन्यथा पछताना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं हो सकती है इसलिए खानपान का विशेष ध्यान रखें और मंगल स्त्रोत का नित्य पाठ करें।

ज्योतिषचार्य पंडित यशवंत जोशी मंदसौर
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

पं. रामनारायण शर्मा की पुण्य स्मृति में नि:शुल्क भोजन वितरण का 7 जनवरी को होगा शुभारंभ

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री बड़े बालाजी मंदिर के संस्थापक परम श्रद्धेय स्व. श्री पं. रामनारायण शर्मा की पुण्य स्मृति में श्री बड़े बालाजी मंदिर समिति द्वारा 5 वर्ष तक प्रतिदिन प्रात: 11 से दोप. 1 बजे जरूरतमंदों को नि:शुल्क भोजन का वितरण किया जाएगा। जिसका शुभारंभ 7 जनवरी 2025, मंगलवार को प्रात: 11 बजे मंदिर परिसर में होगा।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला, सदस्यगण विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँशांति), अनिल कियावत, चौथमल शर्मा, सज्जनलाल खमेसरा, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, महेन्द्रसिंह सिसौदिया, हेमन्त सुरा, शिवशंकर सोलंकी, कपिल सोलंकी, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, विनोद रूनवाल आदि ने जरूरतमंदों से भोजन का लाभ लेने की अपील की है।

ऐसा नव वर्ष मानना किस काम का जो ना तो प्रकृति में परिवर्तन लाए और न ही हमारे जीवन में

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक गुरु आचार्य हरीश भारद्वाज पिपल्या जोधा ने अपने संदेश में कहां है कि हमारा नूतन वर्ष आधी रात को नशे में धूत नहीं हो सकता हम सनातन धर्म को मानने वाले भारत की पुण्य धरा पर अपना जीवन व्यतीत करने वाले भारतीय लोग हैं , ऐसा नव वर्ष किस काम का जो ना तो प्रकृति में परिवर्तन लाए ना ही हमारे जीवन में भारत में कुछ लोग अपना नूतन वर्ष भूल गए हैं और अंग्रेजों का नूतन वर्ष मना रहे हैं जब अंग्रेजों ने भारत में र मैं राज किया और उन्होंने हमारी संस्कृति खत्म कर अपनी पश्चिमी संस्कृति थोपनी चाही जिसके कारण आज भी कई

भारतीय वासी मानसिक रूप से गुलाब है और वह भारतीय नव वर्ष भूल गए हैं आज अंग्रेजी नव वर्ष मना रहे है 31 दिसम्बर की रात नए साल के स्वागत के लिए लोग जमकर शराब पीते है, हंगामा करते हैं, रात को पीकर गाड़ी चलाने से दुर्घटना की सम्भावना, रेप जैसी वारदात, पुलिस प्रशासन बेहाल और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का विनाश। 1 जनवरी को जो नया वर्ष मनाते है उसमें कुछ तो नयी अनुभूति होनी चाहिए लेकिन ऐसा कुछ भी नही होता है । नहीं मौसम में प्रकृति मे, कृषि में ना किसी में परिवर्तन दिखाई नही देता है जबकी हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा गुड़ी पड़वा से होता है। भारतीय हिंदू नूतन वर्ष में बहुत से परिवर्तन दिखाई देते हैं, ब्रह्माजी ने सृष्टिका निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। श्रीराम का राज्याभिषेक, माँ दुर्गा की उपासना की नवरात्र व्रत का प्रारंभ , प्रारम्भयुगाब्द (युधिष्ठिर संवत्) का आरम्भ , उज्ञयिनी सम्राट- विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत्प्रारम्भ , शालिवाहन शक संवत् (भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग)महर्षि दयानन्द द्वारा आर्य समाज की स्थापना ,भगवान झूलेलाल का अवतरण दिन , मत्स्यावतार दिन ,गणितज्ञ भास्कराचार्य ने सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए पंचांग की रचना की ।मार्च अप्रैल में स्कूलों का रिजल्ट आता है नई कक्षा नया सत्र शुरु होता है ,बैंकों का भी नया सत्र शुरू होता है। मार्च-अप्रैल में फसल कटती है नया अनाज घर में आता है तो किसानों का नया वर्ष और उत्साह ख आप इन तथ्यों से समझ गए होंगे कि भारतीय संस्कृति कितनी महान है। सनातन (हिन्दू) धर्म में लगभग 40 त्यौहार आते हैं जिससे जीवन में हमेशा खुशियां बनी रहती हैं और बड़ी बात है कि हिन्दू त्यौहारों में एक भी ऐसा त्यौहार नही है जिसमें दारू पीना, पशु हत्या करना, मांस खाना, पार्टी करने आदि के नाम पर दुष्कर्म को बढ़ावा मिलता हो। ये सनातन हिन्दू धर्म की महिमा है। भारतीय हर त्यौहार के पीछे कुछ न कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी छुपे होते हैं जो जीवन का सर्वांगीण विकास करते हैं।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	140	2299	2500
उडद	15	5256	6541
सोयाबीन	3046	3700	4350
गैहु	1386	2985	3275
चना	106	5573	6266
मसुर	134	5400	6022
धनिया	207	6160	7352
लहसुन	10000	11001	24551
मैथी	362	4371	5850
मुंगफली	2375	4470	5371
अलसी	575	5621	6100
सरसो	252	5300	5760
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	70	8701	12601
प्याज	12000	900	2540
कलोंजी	1	16000	16000
तुलसी बीज	5	13821	15930
डॉलर	28	7900	11489
तिल्ली	15	9050	12201
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	15	10551	14450
चियाबीज	20	14000	15530

कार्यालय उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय नीमच (म.प्र.)

क्रमांक MDRLP13122412540/ दिनांक-31.12.2024

क्र.-1546 दिनांक-31.12.2024

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपांतरण की दशा में आपत्तियां आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स (MOHAN MEGHNANI) MOHAN MEGHNANI S/o JHAMATMAL MEGHNANI द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है-

(क) परियोजना का नाम - REVISE MEGHNANI PRIME

(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)-पूर्व स्वीकृत ग्राम Kasba mandsaur तहसील Mandsaur Nagar व जिला Mandsaur की भूमि सर्वे क्रमांक/खसरा क्रमांक 137/2, 139/8/2 कुल रकबा 0.6118 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, LOCAL SHOPS LAYOUT विकास हेतु अनुमोदित अभियान में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।

(ग) विकास का प्रयोजन - RESIDENTIAL, LOCAL SHOPS LAYOUT

(घ) स्वीकृति क्रमांक MDRLP15042417188 दिनांक 2024-05-19

पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता हैं, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा https://dtcp.mp.gov.in/alpass/web/objection.aspx?RefApp=0L6frRdDxj पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान अथवा website https://dtcp.mp.gov.in/alpass/web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

उपसंचालक
नगर तथा ग्राम निवेश, नीमच (म.प्र.)

आशाएं संजोने का अवसर नव वर्ष...

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विविध घटनाक्रम के पृष्ठों के गतिपथ को पारकर भविष्य को निहारते हुए हम अंग्रेजी नववर्ष में आ पहुंचे हे। पिछली स्मृतियां छुटी नही हे। समय एक निरंतर प्रवाह हे। केवल सुविधा के लिए हमने उसके खंड बना लिए हे। वर्ष, माह, दिन इत्यादि। बीतते हुए वर्ष केवल संख्या नही होते उसमें हमारे अनुभव होते हे। हमारी स्मृतियां होती हे। जब हम नव वर्ष कहते है तो इसका आशय नवाचार को आकार देना हे। समय के अनुसार अपने द्वारा किए गए कार्यो को, अपने व्यक्तित्व को, समाज को नई दृष्टि से देखना हे। प्रत्येक क्षण नित नूतनमय हे। प्रत्येक पल परिवर्तन लिए हुए हे। कई बार जीवन का रंग धूमिल पड़ता हे तो नयापन उसे फिर से सृजित करता हे। नयापन केवल भौतिकता में ही घटित नही होता अपितु वह मन की अवस्था में भी हे। जैसे वृक्ष में पत्ते निकलते हे वैसे ही मन में नयापन फूटता हे। नए पत्ते प्रसन्नता देते हे वैसे ही अपेक्षा रहती हे की नयापन प्रसन्नता प्रदान करे। भारत में भारतीय नव वर्ष विक्रमी संवत के अनुसार चैत्र मास में आता हे किंतु अंग्रेजी प्रणाली के अनुसार जनवरी माह में आता हे। भारतीय मन हर चीज की स्वीकार कर लेता हे। भारतीय मन में एक उदारता हे सभी के प्रति सम्मान हे। विश्व भर के विचारो, प्रणालियों को वह अपने हिसाब से अनुकूलित कर लेता हे। नया वर्ष नएपन को नए अंदाज में संतुलित रूप से सोचने व करने का आमंत्रण देता हे। नववर्ष नए संकल्प का हेतु हे किन्तु कोई एक दिन या एक मास नही प्रत्येक क्षण ही नवाचार के उत्साह का कारक हे। नववर्ष सदैव गतिमान कालचक्र का परिचायक मात्र होता हे फिर भी यह उत्साह उत्पन्न करता हे और आशाएं जगाता हे। आशा होती हे सुख की, समृद्धि की और सदभाव की। न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि समाज और राष्ट्र के साथ वैश्विक जीवन में भी। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हे और आत्मनिर्भरता की भावना से ओतप्रोत हे। वास्तव में यही भावना किसी राष्ट्र को आगे ले जाती हे और उसके लक्ष्य को पूरा करने में सहायक बनती हे। यह भावना जन जन में व्याप्त हो इसके लिए राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर अग्रणी लोगो को सक्रियता दिखानी चाहिए। इससे ही इस नववर्ष और आगे आने वाले समय में देश अपनी अपेक्षाओ को पूरा करने में सक्षम होगा। प्रगति पथ को और प्रशस्त करने के लिए हमे अपने लक्ष्यो के साथ चुनौतियों पर भी ध्यान देना होगा। कोई भी समाज या राष्ट्र हो वह कभी चुनौतियो से मुक्त नही होता। तेजी से बदलते इस युग में तो और भी नई नई चुनौतियां सामने आती रहती हे। उपलब्धियों को प्राप्त करना तभी आसान होता हे जब चुनौतियों से पार पाने के लिए सदैव तत्पर रहा जाए। नववर्ष आशाओं को संजोने, सपनो को पूरा करने के साथ संकल्प लेने का अवसर भी होता हे। किंतु संकल्प तभी पूरे होते हे जब अनुशासन और आत्मबल का परिचय दिया जाता हे। इस नववर्ष में यह परिचय प्रत्येक देशवासी दे इसी मंगलकामना के साथ अंग्रेजी नववर्ष का स्वागत...

गौरव सोनी, मंदसौर

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में लिखा नया अध्याय...

दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं का प्रदेश में हुआ आगाज

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में नया अध्याय लिखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई के 'नदी जोड़ो' के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में देश की दो बड़ी अति महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनों का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 दिसंबर को खजुराहो, छतरपुर में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे पहली और बड़ी सिंचाई परियोजना है।

मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। इसे सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की रहती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्य-प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृध्दि हुई है। प्रदेश की धरती सुजलाम सुफलाम हो रही है। सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर

वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना से मालवा और चंबल क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदलेगी। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की होगी। इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाई मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 03 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे। प्रदेश में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 बृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजना निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में 1320 करोड़ रुपए की लागत वाली चितरंगी दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना स्वीकृत हुई है। इस परियोजना से सिंगरौली जिले में 32125 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा। इसी प्रकार 4197 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत की जावद नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को भी स्वीकृत किया गया है। नीमच जिले में इस परियोजना से 18600 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 37 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 37 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को समाय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

साल के आखरी दिन शराब के दल्लों की उड़कर लगी...

अंचल में डायरी सिस्टम से जमकर काटी चांदी

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तहसील मुख्यालयों के गांवों में दूध मिले या न मिले, लेकिन शराब की घर पहुंच सुविधा उपलब्ध है। जिस तरह से राजनीतिक दलों में मंडल अध्यक्ष या ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए जाते हैं। शराब के कारोबार में गांवों में एजेंट नियुक्त होते हैं। एक दर्जन ठेकेदार के लोग करीब आठ सौ गावों में ढाई हजार डायरियां चलाते हैं। इसमें कमीशन एजेंट ही ठेकेदार बनकर शराब बेचते हैं। पूरा सिस्टम ठेकेदार, आबकारी अधिकारी व पुलिस के सहयोग से चलता है। तीन साल पहले पिपलियामंडी में जहरीली शराब से हुई मौत के बाद जांच में यह डायरी सिस्टम खुलकर सामने आया था। कुछ समय सख्ती के बाद वापिस डायरी सिस्टम शुरु हो गया। विशेषकर जिले के तहसील मुख्यालयों के आसपास के क्षेत्रों और इंटीरियर गांवों में यह सिस्टम जमकर चल रहा है। बात करें नए साल के जश्न की तो शराब ठेकेदारों के दलालों ने इस अवैध डायरी सिस्टम का जमकर लाभ लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में डायरी सिस्टम की शराब के जाम कुछ ज्यादा ही छलके। मतलब आम दिनों के मुकाबले ज्यादा शराब बिकी।

ठेकेदार अधिकारियों को भी कमीशन का लाभ देते हैं...

ठेकेदार द्वारा गांवों में शराब बेचने के लिए कमीशन एजेंट की तर्ज पर किसी व्यक्ति को नियुक्त कर दिया जाता है। इसके लिए उसे हर क्वार्टर पर 5-10 रुपए कमीशन दिया जाता है। ठेकेदारों ने जिले के प्रत्येक गांवों में इस तरह के 3 से 4 एजेंट बना रखे हैं। प्रत्येक एजेंट रोज करीब 10 से 12 हजार रुपए की शराब बेचकर कमीशन कमाता है। इनकी जानकारी हर थाना क्षेत्र सहित वरिष्ठ अधिकारियों व आबकारी अधिकारियों को रहती है। इस अवैध कारोबार के लिए ठेकेदार अधिकारियों को भी कमीशन देते हैं। आबकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विभाग ने अब तक किसी भी डायरी वाले के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया है।

लालच में एजेंट पडोसी राज्य से मंगाने लगे जहर...

जानकारी के अनुसार डायरी होने से किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने का लाभ उठाकर एजेंटों ने लालच में पड़ोसी राज्य से शराब मंगाना शुरू कर दिया। आबकारी विभाग के अनुसार हर एजेंट 50 प्रतिशत शराब दूसरे राज्य की व 50 प्रतिशत ठेके की शराब बेचता है। इस बात की जानकारी ठेकेदारों को भी रहती है। एजेंट पहचान वालों को ही बाहर की शराब बेचते हैं।

मछली पकड़ने गया युवक डेम में डूबा

नाहगरगढ़, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के मंडलोई डेम में मछली पकड्ने गया एक युवक डूब गया। जिसकी तलाश की गई।

मिली जानकारी के अनुसार इरशाद पिता यूनिस निवासी नाहरगढ मछली पकडने के लिए गया था। इसी दौरान वह डेम में डूब गया। बाद में पुलिस और गोताखोरों की टीम पहुंची। युवक की तलाश की गई। समाचार लिखे जाने तक युवका का पता नहीं चल पाया था।

ट्रेक्टर-ट्राली से पकड़ा 148 किलो डोडाचूरा, 3 फरार

पिपलियामंडी, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने ट्रेक्टर-ट्राली ले जाया जा रहा अवैध 148 किलो डोडाचूरा जब्त किया। आरोपी फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर नाहरगढ पुलिस ने नाहरगढ खजूरी मार्ग पर नाकाबंदी की, इस दौरान हनुमान फन्टे की ओर से (एमपी 14 एसी 3294) क्रमांक का ट्रेक्टर दूर खड़ा कर तीन व्यक्ति भागे। पुलिस के अनुसार ट्रेक्टर हिंगोरिया बड़ा निवासी राजू पिता भेरुलाल चला रहा था। वहीं साइड में हिंगोरिया बड़ा निवासी रमेश पिता भंवरलाल बागरी व रामप्रताप धाकड़ थे। तीनों पुलिस को देखकर ट्रेक्टर छोड़कर भाग गए। तलाशी के दौरान 8 कट्टों में भरा 1 क्विंटल 48 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर तीनों फरार आरोपियों की तलाश शुरु कर दी।

डिगांव में मंदिर सहित चार गुमटियों के ताले चटकाये

चौकीदार की गुमटी में भी वारदात, मंदिर का दानपात्र उठा ले गए

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाने के ग्राम डिगांव माली में बीती रात्रि बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाते हुए एक मंदिर सहित चार गुमटियों के ताले चटका कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने गांव के चौकीदार की गुमटी को भी निशाना बनाया और बीड़ी, सिगरेट सहित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से भी दान पात्र उठाकर ले गए।

अफजलपुर थाने के ग्राम डिगांव माली में सोमवार- मंगलवार की मध्य रात्रि लगभग 2 से 4 बजे के मध्य दो बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए एक मंदिर सहित दो पान की घूमटी, एक सब्जी की दुकान, एक नाई की दुकान को अपना निशाना बनाया।

दोनों बदमाशों ने साथ लाए सबल से मंदिर के ताले को निशाना बनाया। सफल नहीं होने पर मंदिर के पास में ही लगे नल को तोड़कर उसके पाइप से अंट लगाकर ताले को तोड़ा और अंदर घुसकर दान पेटी चुराकर ले गए। इसी तरह राजेश भाटी के सैलून में भी घुसे पर कुछ ले के नहीं गए, शांतिलाल चौहान की सब्जी की दुकान से मटर का कट्टा, सुरेश सुनाथी ग्राम चौकीदार एवं भंवर सूर्यवंशी दोनों की पान की गुमटियों से बीड़ी, सिगरेट सहित दुकान के गल्ले में रखी चिल्लर चुराकर ले गए। सुबह 5:00 जब श्रद्धालु मंदिर आए तब चोरी का पता चला। सूचना मिलने पर डायल 100 भी मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। गांव में पूर्व में भी कपड़े और किराने की दुकानों में कोई दो-तीन वर्ष पूर्व चोरी हुई थी। लेकिन, उसका आज तक सुराग नहीं मिल पाया।

ग्राम वासियों का कहना है कि चौपाटी पर असामाजिक तत्वों व शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिसके कारण दुकानदार और बस वाले भी परेशान है। लेकिन, अफजलपुर पुलिस की कोई सक्रिय उपस्थिति यहां कभी भी नजर नहीं आती है। भले ही कोई विवाद हो या कोई जाम लग जावे। निष्क्रिय व बेपरवाह अफजलपुर पुलिस के कारण यहां पर अपराधियों ने चोरी की वारदात कर डाली। पांच जगह चोरी होने के बावजूद कोई जवाबदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

मध्यप्रदेश किशोर न्याय निधि में दान की राशि जमा करवा सकते हैं

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मंदसौर ने बताया किकिशोर न्याय (बालक की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं संशोधन अधिनियम,2021 की धारा 105 एवं किशोर न्याय (बालकों की देखरेख आश्र संरक्षण) आदर्श संशोधन नियम, 2022 (मुल नियम 2016) के नियम 83 के प्रावधानों के तहत् किशोर न्यासय अधिनियम एवं नियम के तहत् स्थापित/संचालित प्राधिकरणों/संस्थाओं के सुदृढीकरण एवं निर्माण, बाल देखरेख संस्थाओं में आधारभूत सुविधाऐं, गुणवत्तापूर्ण एवं बाल अनुकूल वातावरण निर्माण तथा बच्चो के सर्वोत्तम हित में उनके कल्याण एवं पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण तथा समाज की मुख्यधारा में पुर्नसमेकन एवं उनके विकास हेतु बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एक बचत बैंक खाता क्रंमाक 60411029562 किशोर न्याय निधि योजना के नाम से खोला गया है।

किशोर न्याय निधि के रखरखाव संचालन, उपयोग एवं वित्तीय प्रक्रियाओं के निर्धारण मके संबंध में राजपत्र की अधिसूचना 10 अक्टूनबर 2023 के माध्यम से मध्यप्रदेश किशोर न्याय निधि, 2023 अनुसार तथो बच्चोंल के सर्वोत्तम हित में उनके कल्योण एवं पुनर्वास , शिक्षा, रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण तथा समाज की मुख्यधारा में पुर्नसमेकन एवं उनके विकास हेतु नागरिक, स्वयंसेवी संस्थाओं,उद्योग कॉर्पोरेट्स, भामाशाहों, उद्योगपतियों एवं व्यापारियों बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बैंक खाता क्रंमाक 60411029562 किशोर न्याय निधि योजना में राशि जमा कर सकते है।

समाज की निष्पक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत निर्विरोध निर्वाचित हुए है वासुभाई सेवानी-पं. शर्मा

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिस समाज व्यवस्था ने कई अध्यक्ष के निर्वाचन करवाए, इतने वर्षों से कभी किसी ने व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा नही किया, उस पवित्र प्रजातांत्रिक व्यवस्था पर प्रश्न खडे करना कितना उचित है?

पूज्य सिंधी जनरल पंचायत मन्दसौर निर्वाचन में वासुभाई सेवानी के अलावा श्री भगवान मोटवानी द्वारा अपना नामांकन फार्म निर्वाचन समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया गया एवं दिनांक 23 दिसम्बर को फार्म विधिवत वापसी भी लिया गया। तब एकमात्र उम्मीदवार रहने पर श्री वासुदेव सेवानी को निर्वाचन समिति द्वारा आगामी तीन वर्ष के लिए निर्विरोध अध्यक्ष हेतु निर्वाचित किया गया। उक्त व्यवस्था में कोई किसी को आपत्ति थी तो समिति के सम्मुख लिखित आपत्ति दर्ज करने का पूर्ण समय दिया गया था। अब समाज की वर्षों पुरानी व्यवस्था पर अनर्गल प्रलाप करना उचित नहीं कहा जा सकता है। नगर के सम्पूर्ण सिंधी समाज का पूर्ण समर्थन है वासुभाई के साथ, पंचायत की व्यवस्था से परे चंद लोग इकट्ठे होकर कुछ भी निर्णय कर लेवें, जिसका असर बस उन्ही चंद लोगों के बीच ही रहेगा। आज भी समाज की लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी को कोई शिकायत है तो उचित स्थान पर अपनी आपत्ति दर्ज कराए। पर मेरा मानना है कि वर्तमान में तो किसी को अच्छा लगे चाहे ना लगे निर्णय पूर्ण प्रजातांत्रिक तरीके से पूर्ण पारदर्शिता का पालन करते हुए सम्पन्न हुआ है। जिसका सम्मान हर एक को करना चाहिए और फिर भी कोई गिला शिकवा बातचीत की गुंजाइश बनती है तो समाज की जाजम पर वरिष्ठों के मार्गदर्शन में अपना मार्ग प्रशस्त करें। ताकि अपने सिंधी समाज के लिए एक अच्छा संदेश दे सकें। हम सभी अपनी अपनी जवाबदेही तय करें और समाज को अखाड़ा बनने से बचाए।

सिंधिया के जन्मदिन पर वृद्धजनों को राठौड़ बांटेंगे कम्बल-फल

पिपलियामंडी, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश विशेष आमंत्रित कार्य- समिति सदस्य संदीप सिंह राठौड़ द्वारा केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। श्री राठौड़ ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि राजमाता माधवीराजे सिंधिया का दु:खद निधन होने के कारण इस बार केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 1 जनवरी को उनके जन्मदिन पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया है। इसी वजह से उनके समर्थक व भाजपा नेताओं द्वारा इस बार केन्द्रीय मंत्री सिंधिया का जन्मदिन धूमधाम से नहीं मनाया जाएगा। श्री राठौड़ ने बताया कि 1 जनवरी को वे श्री सिंधिया के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में बनाएगें। जरूरतमंद एवं नेत्रहीन बच्चों को फल एवं कंबल का वितरण किया जाएगा। श्री राठौड़ ने भाजपा के वरिष्ठ नेताऔ व आमजनों व कार्यकर्ताओं से आग्रह हे की 1 जनवरी की शाम को 6 बजे पिपलिया मंडी स्थानीय रेलवे स्टेशन पहुंचने का आग्रह किया है।

हनुमान मंदिरों में हुए धार्मिक अनुष्ठान

मेनपुरिया, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार के उपलक्ष्य में मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूजा -अर्चना और दान- पुण्य कर धर्म लाभ लिया मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। थाना नई आबादी के सामने, हनुमानजी के मंदिर में श्री राम सेवा समिति ने ध्वजा पताका चढ़ाई भक्त जनों ने विधि विधान से ध्वजा पताका की पूजा- अर्चना की मंदिर के पुजारी और सदस्यों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। और सभी भक्तों ने इस धार्मिक आयोजन का लाभ लिया।

54 लीटर अवैध शराब के साथ एक पकड़ाया

मनासा, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश द्वारा जारी राज्य स्तरीय विशेष अभियान संबंधी प्राप्त निर्देशानुसार कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के आदेशानुसार और जिला आबकारी अधिकारी बी. एल. सिंघाड़ा मार्गदर्शन में मदिरा के अवैध कारोबार पर रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार-मंगलवार की रात्रि को मुखबिर सूचना के आधार पर आबकारी उप निरीक्षक संजय कुमार कवारे, पंकज राठौर एवं दीपक आंजना के नेतृत्व में मनासा-पिपलिया मंडी रोड़ पर ग्राम लोड़किया में नाकाबंदी कर एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी वेगनआर कार क्रमांक एमपी-44-जेडडी-5485 से आरोपी गोपाल पिता कालू सिंह प्रजापति निवासी मनासा की कार की डिक्की के अंदर रखी 06 गत्तों की पेटियों में कुल 300 नग प्लास्टिक पाव में भरी हुई 54 लीटर देशी मसाला मदिरा जब्त की गई। आरोपी के कब्जे से जब्त मदिरा की मात्रा बल्क होकर 50 लीटर से अधिक होने से आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की 34 (2) में प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को जावद जेल भेजा गया। प्रकरण में जब्त की गई मारुति सुजुकी वेगनआर कार एवं मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 07 लाख 30 हज़ार रुपये से अधिक हैं।

शिशु मंदिर में परीक्षा परिणाम वितरण किया

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर, मंदसौर में अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण किया गया कक्षा नर्सरी से चतुर्थ तक ज्मतउ प् एवं कक्षा पंचम से द्वादश तक अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण किये गए। जिसमें मुख्य अतिथि बहिन मिनल सोनगरा (विद्यालय की पूर्व छात्रा सत्र 2015 की बोर्ड परीक्षा में जिले की प्राविण्य सूची में स्थान प्रप्त वर्केतमान में शियर बैंक ऑफ इण्डिया सीतामऊ), श्री चन्द्रशेखर जी हल्कारा, (सहसचिव - विद्यालय संचालन समिति प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति), पिंकेश जी चोरडिया (सदस्य प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति), श्री संतोष जी यादव (प्राचार्य स.वि.म. केशव नगर मंदसौर) उपस्थित रहे।

अतिथि परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजपालसिंह जी सिसोदिया एवं स्वागत सुश्री अंकिता बाकलीवाल, सुश्री सुदीति राठौर अभिभावक में परिणाम को लेकर अधिक उत्साह देखा गया जिसमें शतप्रतिशत अभिभावक अपने पाल्य का परिणाम जानने के लिए विद्यालय में उपस्थित हुए अतिथि द्वारा प्रोजेक्टर पर डिजिटल परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई।समिति सदस्य एवं पदाधिकरी द्वारा परिणाम का अवलोकन किया गया व कक्षाचार्य से चर्चा की गई।

पशु पालन एवं जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण आज से दलौदा में

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा बताया गया कि 01 जनवरी 2025 बुधवार से पशु पालन एवं जैविक खाद निर्माण प्रशिक्षण प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण का लाभ ग्रामीण अंचल की युवक/युवतिया जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच को ही मिलेगा। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में चाय, नाश्ते की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। बैंकिग संबंधी सभी जानकारिया प्रदान की जायेगी।

इच्छुक प्रशिक्षणार्थी 01 जनवरी 2025 बुधवार समय प्रात: 10:00 बजे में अपने दो 2 नये पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड एवं समग्र ऑईडी कार्ड की छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र, अखिलानन्द सरस्वती गौशाला, अफजलपर रोड, दलौदा में श्री अशोक नागदा मोबाइल न. 8435806297 एवं डा अर्जुन पाटीदार मोबाइल न. 8435319129 को जमा करवा कर रजिस्ट्रेशन करवाएं।

पशु पालन एवं जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण 1 जनवरी से ग्राम गोपालपुरा में प्रारंभ–ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थासन द्वारा बताया गया कि 01 जनवरी 2025 बुधवार से पशु पालन एवं जैविक खाद निर्माण प्रशिक्षण प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण का लाभ ग्रामीण अंचल की युवक/युवतिया जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच को ही मिलेगा। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में चाय, नाश्ते की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। बैंकिंग संबंधी सभी जानकारी दी जायेगी। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी 01 जनवरी 2025 बुधवार समय प्रात: 10:00 बजे से अपने दो 2 नये पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड एवं समग्र ऑईडी कार्ड की छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र पंचायत भवन, गाँव गोपालपुरा में श्री सचिन अठवाल मोबाइल न. 6269058449 को जमा करवा कर रजिस्ट्रेशन करवाए।

मंडी में अव्यवस्थाओं से परेशान...

पेज 1 से जारी

बावजूद अवैध ठेलों को वसूली करके खडे करवा रखे है। जिससे मंडी समिति को राजस्व की बड़ी हानि हो रही है। इधर केंटीन में भी घालमेल का आरोप लगाया और केंटीन संचालक पर बकाया वसूली सार्वजनिक करने की मांग की गई।

नि:शुल्क नो यूज मोबाईल ट्रिप

मनासा, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ग्राम भाटखेड़ी के विद्यासागर पब्लिक स्कूल ने बच्चों को मोबाईल से दूर रहकर प्रकृति के करीब जाने का सुनहरा मौका दिया नि:शुल्क गांधीसागर भ्रमण के रूप में शानदार तोहफा दिया। स्कूल की कुल संख्या के तकरीबन 35 प्रतिशत छात्र नो मोबाईल क्लब में जुडे हुए है और लगातार 5 माह से मोबाइल का उपयोग नहीं कर रहे है ।स्कूल के नन्हे बच्चों ने ये साबित कर दिया है कि, खुशी और सुकून पाने के लिए तकनीकी पर निर्भर रहना आवश्यक नहीं , छात्र-छात्राओं ने मोबाईल का उपयोग नहीं करके यह साबित करके बता दिया की दृढ इच्छा शक्ति और अनुशासन से कोई भी आदत बदली जा सकती है। इन सभी बच्चों ने मोबाइल का उपयोग नहीं करते हुए । नो यूज मोबाइल ट्रिप का हिस्सा बनकर एक प्रेरणादाई उदाहरण पेश किया है। विद्यालय के द्वारा इन छात्रों को गांधीसागर पावर हाउस,हिंगलाज रिसॉर्ट,बोट क्लब आदि स्थानों पर भ्रमण करवाया।

नीमच से सूबी श्याम तक पैदल यात्रा 5 जनवरी को

नीमच, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चारभुजा मित्र मण्डल, जिला नीमच के तत्वावधान में प्रतिवर्शानुसार इस वर्ष भी 5 जनवरी 2024 रविवार को नीमच से सूबी श्याम तक पैदल यात्रा श्री बडे बालाजी मंदिर बारादरी के पास, फव्वारा चौक, नीमच से प्रात: 11.15 बजे प्रस्थान करेगी। उक्त जानकारी देते हुए यात्रा संयोजक राजेन्द्र मण्डोवरा ने बताया कि पैदल यात्रा 5 जनवरी को प्रात: 11.15 बजे बडे बालाजी मंदिर, घण्टाघर, जाजू बिल्डिंग, चौकन्ना बालाजी, बालाजी धाम, बघाना होते हुए सूबी श्याम पहुंचेगी। जहां सायं 5.30 बजे सुन्दरकाण्ड पाठ, सायं 7.15 बजे आरती एवं रात्रि 8.30 बजे भजन संध्या आयोजित होगी। यात्रा में जाने के इच्छुक पदयात्री अशोक नागदा, सुनील धनोतिया, हेमन्त अजमेरा, बहादुर आंजना, मनोज अग्रवाल, विशेश शर्मा (गोलू), सुनील काबरा, नरेश रामचंदानी से सम्पर्क कर सकते हैं। ज्ञातव्य है कि सामाजिक समरसता, आत्मशुद्धि, विश्व कल्याण की कामना व विश्व में महामारी से बचाव एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए वर्श में तीन बार यात्रा का आयोजन चारभुजा मित्र मण्डल, जिला नीमच के तत्वावधान में होता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्डिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in